



बीवी की चूत चुदवाई गैर मर्द से-5

“मेरी बीवी डॉक्टर से चुदे काफ़ी दिन हो गए थे तो मैंने उसे प्रोग्राम बनाने को कहा। उसने प्रोग्राम बना लिया, अब मेरी बीवी मेरे सामने ही डॉक्टर को अपना पति कहने लगी थी। ...”

Story By: Sahil Chadha (Manav080970)

Posted: Sunday, January 29th, 2017

Categories: [इंडियन बीवी की चुदाई](#)

Online version: [बीवी की चूत चुदवाई गैर मर्द से-5](#)

बीवी की चूत चुदवाई गैर मर्द से-5

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि ये एक ऐसे पति की दास्तान है जो अपनी बीवी को चुदते देखता है और अब वो अपने बीवी और उस गैर मर्द का धीरे-धीरे सेवक बनता जाता है।

इन दस महीनों में डॉक्टर सचिन और नेहा काफी करीब आ गए थे। जबकि डॉक्टर साहब ने नेहा को कुछ ही बार चोदा था, उसकी दो वजह थीं.. एक तो डॉक्टर साहब बहुत व्यस्त रहते थे और दूसरी समस्या मेरे बच्चों की वजह से अधिक बार चुदाई होना संभव नहीं हो पाती थी।

नेहा और डॉक्टर साहब की फ़ोन पर काफी बातें बढ़ गई थीं। सुबह होते ही डॉक्टर साहब का 'गुड मॉर्निंग' वाला फ़ोन आता और रात को 'गुड नाईट' वाला आता। इस बीच जब भी उनको टाइम मिलता वो अक्सर बात करते रहते थे।

इस बीच डॉक्टर साहब नेहा को कुछ न कुछ गिफ्ट देते रहते थे। मैं नेहा से गिफ्ट न लेने के लिए कहता तो वो भड़क जाती थी कि खुद तो कुछ लाते नहीं.. वो इतने प्यार से लाते हैं तो उसमें भी दिक्कत है।

इस बीच बच्चों की गर्मी छुट्टियाँ हो गईं.. और वो अपनी नानी के यहाँ चले गए। उनके जाने के एक-दो दिन बाद नेहा ने कहा- डॉक्टर साहब मूवी के लिए कह रहे थे चलोगे ?

मैंने कहा- हाँ.. मैं जानता हूँ पिक्चर का प्रोग्राम क्यों बना रहे हैं।

वो बोली- क्या समझ गए ?

मैंने कहा- यही कि उनको तुम्हारी फिर से 'लेनी' है।

नेहा बोली- यदि तुमको दिक्कत है तो मना कर देती हूँ.. और सुन लो आज के मुझसे कभी

बाद कहा कि उनको फ़ोन करके मम्मी को दिखाने के लिए बुला लो.. तो खुद ही फ़ोन करना और आज के बाद तुमने कभी फिर रात में कहा न कि डॉक्टर साहब से चुदवाओ.. तो फिर तुमको बताऊँगी ।

मैं जानता था कि नेहा गुस्सैल स्वभाव की थी और क्योंकि मुझको तो उनकी चुदाई देखने में ही असली आनन्द आता था इसलिए मैंने नेहा से कहा- अच्छा कब चलना है ?
वो पलट गई.. बोली- अब नहीं जाना !

उसको मैं मनाता रहा.. पर वो इतनी जल्दी कहाँ मानने वाली थी । रात में जब हम कमरे में अकेले थे, मैंने उससे फिर कहा- चलो अभी बच्चे भी नहीं हैं.. चलते हैं ।
वो बोली- नहीं.. रहने दो ।

काफी कहने के बाद बोली- तुम अलग बैठ कर मूवी देखोगे ।
मैंने कहा- यार, यह क्या बात हुई ।
वो बोली- तो रहने दो ।
मैंने कहा- ठीक है बाबा मंजूर ।

वो बोली- और रात में चुदाई में भी डिस्टर्ब नहीं करोगे ।
मैं मान गया तो बोली- तो अब उठो और आ जाओ ।
उसने कपड़े उतार दिए और बोली- जाओ अब जैतून का तेल उठा के लाओ और मेरी मालिश करो ।
मैंने कहा- ये अच्छा है ।

मैं तेल लगाने के लिए तैयार हो गया ।
वो बोली- तेल लगा कर अपनी डंडी डाल कर दो-चार झटके भी मार लेना.. उससे ज्यादा तो तुम्हारे बस का है नहीं ।

मैंने कहा- हाँ सब तुम्हारे डॉक्टर साहब के बस का है न।

वो बोली- तुमने देखा नहीं है क्या.. कि डॉक्टर साहब मेरी कैसे लेते हैं.. यदि नहीं देखा हो तो आज और आँखें फाड़ कर देख लेना.. उनकी डंडी नहीं मूसल जैसा डंडा है।

अगले दिन रात में हम गाड़ी से डॉक्टर साहब की क्लिनिक पहुँचे, उस वक्त 8.30 बज रहे थे, नेहा डॉक्टर से बोली- आप अपनी कार अपने अपार्टमेंट में छोड़ दीजिए.. हम वहीं आ रहे हैं।

हम उनके अपार्टमेंट में पहुँचे।

नेहा डॉक्टर साहब से बोली- एक-दो दिन के कपड़े डाल लेना।

वो ऊपर चले गए.. तो मैंने कहा- ये क्यों बोला ?

नेहा बोली- तुमको कुछ दिक्कत है ? को कोई दिक्कत है तो प्रोग्राम कैंसिल कर देते हैं। मैं चुप रह गया।

डॉक्टर साहब आकर मेरे बगल वाली सीट पर बैठ गए और नेहा पीछे बैठ गई।

डॉक्टर साहब बोले- किसी अच्छी सी वाइन शॉप पर ले लीजिए।

जब हम वहाँ पहुँचे तो उन्होंने मुझको पैसे दे कर स्काँच और बीयर लेने के बोला।

मैं चला गया.. फिर हम डिनर कर के 9.45 का मूवी का शो देखने आ गए।

मैंने कहा- सर बोटल क्यों ले ली ?

डॉक्टर साहब बोले- अरे आराम से घर चल कर लेंगे मानव जी.. अभी क्या जल्दी है ?

जब हम मॉल में पहुँचे तो डॉक्टर साहब ने नेहा के हाथ में मेरा टिकट दे दिया।

नेहा ने मुझको दे दिया और मैं उनके साथ मूवी हॉल में पहुँचा। उनकी लास्ट कार्नर की सीट थी और मेरी सीट उनसे 5-6 सीट छोड़ कर थी।

पूरी मूवी में मुझको लगा कि वो पिक्चर देखने कम आए हैं और आपस में बात करने और चिपक कर मूवी एंजाय करने आए हैं।

पूरी मूवी में वो एक-दूसरे को किस कर रहे थे और लिपटे-चिपटे हुए बैठे थे। मूवी हाल से हम 12.45 पर बाहर आए तो नेहा बोली- कार निकाल लाओ.. हम लोग गेट पर मिलेंगे।

मैं गेट पर कार ले कर पहुँचा.. तो डॉक्टर साहब आगे मेरे पास बैठने लगे।

नेहा ने डॉक्टर साहब को टोक दिया- अरे हमारे पास भी बैठ जाओ यार।

मैंने कहा- हाँ, आप पीछे बैठ जाइए।

वो दोनों पीछे वाली सीट पर बैठ गए। डॉक्टर साहब के बैठते ही नेहा ने उनका हाथ अपने हाथ में ले लिया।

डॉक्टर साहब ने कहा- अरे आगे ही बैठ जाता।

वो बहुत धीरे से बोली- बीवी पीछे बैठ गई और तुम आगे बैठोगे? आगे तो ड्राइवर की जगह होती है।

यह कह कर वो मुस्कारने लगी।

रास्ते में वो दोनों चिपक कर बैठे रहे जैसे नई शादी वाला जोड़ा बैठा हो।

मैंने नेहा को शादी के बाद इतना रोमांटिक पहली बार देखा था।

हम घर पहुँचे.. मैंने गाड़ी पार्क की और घर में आ गया।

अन्दर आकर देखा कि नेहा किचन में थी और डॉक्टर साहब के हाथ उसके पीछे से उसके पेट पर बंधे थे। डॉक्टर साहब पीछे से उसे किस कर रहे थे और उसके मम्मों को मसल रहे थे। उनको नहीं मालूम था कि मैं इतनी जल्दी आ जाऊँगा।

मैं एकदम से किचन में पहुँचा तो डॉक्टर साहब अपने हाथ खोल कर हटाने लगे.. तो नेहा ने उनका हाथ अपने हाथ में ले कर अपने मम्मों के ऊपर फिर से रखवा लिए।

वो मेरी तरफ देख कर बोली- देखो डॉक्टर साहब मेरे लिए कितना सुन्दर डायमंड का पेंडेंट ले कर आए हैं।

फिर वो डॉक्टर साहब से बोली- तुमको मानव के आगे क्यों शर्म आ रही है? तुमको कोई दिक्कत है क्या मानव?

मैंने कहा- नहीं.. मुझे क्या दिक्कत है?

नेहा ने डॉक्टर साहब का मुँह पकड़ कर जोरदार किस किया और बोली- आई लव यू माय जानू सचिन..

डॉक्टर साहब ने बात बदलते हुए मुझसे कहा- आपने बोतल और बीयर निकाल ली न कार से?

मैंने कहा- अरे मैं तो भूल ही गया.. अभी निकाल कर लाता हूँ।

मैं जब बोतल और बीयर ले कर आया तो वो दोनों बेडरूम में थे और दरवाजा हल्का सा उड़का हुआ था।

अन्दर से डॉक्टर साहब की आवाज आ रही थी- तुम भी न मुझको गाड़ी में पीछे क्यों बुला लिया?

वो बोली- तुम मुझे अपनी बीवी नहीं समझते हो तो मत बैठते।

वो बोले- अरे यार ठीक नहीं लगता।

वो बोली- अभी रात में लोगे तो उसको कहाँ सुलाओगे?

वो बोले- अरे यार पीने पिलाने के बाद की बात अलग है।

वो बोली- बिना पिए पिलाए तुम्हारी शर्म दूर करनी थी.. इसलिए जब वो आया तो तुम हाथ खींच रहे थे इसलिए मैंने अपने हाथ से तुम्हारे पकड़ लिए थे।

डॉक्टर साहब बोले- ओके माय लव..

नेहा बोली- छोड़ो न.. तुम उस फुसफुस चूतिए की क्यों टेंशन लेते हो मेरी जान.. तुम्हारा गिफ्ट बहुत सुन्दर है।

वो बोले- तुमसे ज्यादा नहीं है.. लव यू स्वीट हार्ट।

मैं कमरे में पहुँचा तो नेहा ने हुक्म चला दिया।

‘जल्दी से एक काम और कर लो.. गिलास ले आओ और कुछ पापड़ भून लो.. और सलाद फ्रिज में कटा रखा है.. वो निकाल कर ले आओ।’

मैं चला गया.. लौट कर आया तो डॉक्टर साहब शॉर्ट्स और टी-शर्ट में थे और नेहा ने वही सलवार-सूट पहना हुआ था.. जो पहन कर गई थी।

डॉक्टर साहब उससे बोले- तुम भी चेंज कर लो!

और मुझसे बोले- जग में पानी ले आइए।

मैं कमरे से बाहर भी नहीं आ पाया था.. तो वो बोल रहे थे- आज वो रेड डोरी वाली ब्रा पहनो और वो उसी कलर की बेबी डॉल नाईटी.. जो सेमी ट्रांसपरेंट है.. जो मैं तुम्हारे लिए लाया था।

वो बोली- जो तुमको पसंद हो मेरी जान वही पहनूँगी.. बीवी तो वही पहनेगी न.. जिससे उसके पति का मूड बने।

डॉक्टर साहब बोले- अरे मानव ने सुन लिया तो ?

वो बोली- आज उसके सामने तुमको पतिदेव और मेरी जान बोल दूँगी।

मैं कमरे में जग ले आया और बैठ गया।

नेहा बाथरूम के पास ड्रेस रूम में चेंज करने गई और उसने ड्रेस रूम के अन्दर से आवाज लगाई- सुनो..

मैं समझ गया कि मुझको बुला रही है, मैं बोला- आता हूँ।

वो अन्दर से वो बोली- तुमको किसने बुलाया है ? मैंने तो इनको बोला है।

डॉक्टर साहब एक मिनट के लिए हिचके फिर बोले- मैं देखता हूँ..

अन्दर से उसकी आवाज आ रही थी- आपने तो बस बोल दिया कि डोरी वाली ब्रा पहन लो.. पर यार इस ब्रा की डोरी कौन बांधेगा ?

नेहा की चुदास बढ़ती ही जा रही थी और मैं भी इन दोनों की चुदाई को देखने के लिए मरा जा रहा था।

मेरी उम्मीद है कि मेरी बीवी की मदमस्त चुदाई को पढ़ने के लिए आपका लंड भी खड़ा हो गया होगा।

आप मेरी हिंदी कहानी पर अपने ईमेल लिखिए.. तब तक नेहा आपके सामने अपनी चूत चुदवाने आती है।

lustfulfantasiess@yahoo.com

कहानी जारी है।

Other stories you may be interested in

चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-2

मेरी सेक्स कहानी के प्रथम भाग चुदने को बेताब मेरी प्यासी जवानी-1 में आपने पढ़ा कि कॉलेज में जाते ही मेरा दिल धड़कने लगा था किसी जवान मर्द के लिए, मेरी प्यासी जवानी मेरे सर चढ़ कर बोल रही थी. [...]

[Full Story >>>](#)

गांव के देसी लंड ने निकाली चूत की गर्मी

मेरी पिछली कहानी थी भाभी के भैया को बना लिया सैंया मेरा नाम रेखा है और मैं देखने में काफी सेक्सी लगती हूँ. मैं गांव में रहने वाली देसी लड़की हूँ इसलिए यहाँ पर जगह का नाम नहीं बता सकती. [...]

[Full Story >>>](#)

ताऊ जी का मोटा लंड और बुआ की चुदास

जो कहानी मैं आप लोगों को सुनाने जा रहा हूँ वह केवल एक कहानी नहीं है बल्कि एक सच्चाई है. मैं आज आपको अपनी बुआ की कहानी बताऊंगा जो मेरे ताऊ जी के साथ हुई एक सच्ची घटना है. आगे [...]

[Full Story >>>](#)

दो लंड और एक चूत

दोस्तो, मेरा नाम रानी है. मैं आगरा की रहने वाली हूँ. मैं अन्तर्वासना की नियमित पाठक रही हूँ. बहुत दिनों से मेरा भी अपनी मन कर रहा था कि मैं भी अपनी कहानी लिखूँ. मेरा फिगर 34-30-36 का है और [...]

[Full Story >>>](#)

मैं तेरी रांड, तू मेरा रण्डवा

अन्तर्वासना के सभी पाठकों को मेरा नमस्कार! चूत की रानियों को मेरे लण्ड का प्यार भरा चुम्बन. अन्तर्वासना पर यह मेरी पहली कहानी है और यह मेरे साथ घटी हुई सच्ची कहानी है, जो 6 महीने पहले मेरे साथ घटी [...]

[Full Story >>>](#)

